हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 274 देहरादून, मंगलवार, 25 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना ज़रूरी : सोनिका, डीएम 3

मुख्यमंत्री धामी ने किया एस.डी.आर.एफ मुख्यालय एवं फायर स्टेशन का लोकार्पण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 25 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रान्ट में नवनिर्मित एस.डी.आर.एफ मुख्यालय एवं फायर स्टेशन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एसडीआरएफ के जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि एस०डी०आर०एफ० द्वारा 11 हजार फीट से अधिक ऊँचाई पर किये जाने वाले रेस्क्यू कार्यों के लिए अन्य अर्धसैनिक बलों की तर्ज पर एस.डी.आर.एफ में कार्य करने वाले राजपत्रित अधिकारियों को 1500 रुपए एवं अराजपत्रित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 1000 रुपए प्रतिदिन जोखिम भत्ता प्रदान किया जाएगा। आपदा प्रबन्धन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाए जाने के उद्देश्य से एस.डी.आर.एफ की छठी कम्पनी गठित की जाएगी, जिसमें प्राथमिकता के आधार पर एक-तिहाई महिला कार्मिकों की नियुक्ति की जाएगी। एस.डी.आर.एफ. में प्रतिनियुक्ति की समयावधि 07 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नवनिर्मित एस.डी.आर.एफ ट्रेनिंग सेंटर और वाहिनी मुख्यालय के लोकार्पण के अवसर पर एस.डी.आर.एफ की टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए हर्ष का विषय है कि मुझे मुख्य सेवक के रूप में एसडीआरएफ के इस नवनिर्मित मुख्यालय को आज प्रदेश को समर्पित करने का मौका मिल रहा है। लगभग 144.43 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एस.डी.आर.एफ के मुख्यालय में प्रशिक्षण एवं आपदा प्रबंधन की दृष्टि से अन्य गतिविधियां भी होंगी। उन्होंने कहा कि एस.डी.आर.एफ के जवानों और अधिकारियों द्वारा अपने कर्तव्यों का निर्वहन साहस, वीरता, सेवा और समर्पण भाव को से किया जा रहा है। इनका त्याग और कार्यकुशलता अनुकरणीय है। विषम परिस्थितियों में इनके द्वारा जिस साहस से कार्य किया जाता है, वह सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में हमारे पुलिस के जवान मोर्चा संभालते हैं और लोगों की जान बचाने के लिए आगे आते हैं। राज्य में 2013 में एस.डी.आर.एफ के गठन से ही एस.डी.आर.एफ ने आपदा के समय देवभूमि में समय-समय पर अनुकरणीय एवं प्रभावी कार्य किए है। गठन से अब तक एसडीआरएफ द्वारा तीन हजार से अधिक रेस्क्यू ऑपरेशनों में बारह हजार से अधिक घायलों का सफल रेस्क्यू किया गया एवं विषम परिस्थितियों में करीब दो हजार शवों को रिकवर भी किया गया। एसडीआरएफ उत्तराखण्ड ने अपनी कार्यकुशलता एवं रेस्क्यू दक्षता के चलते राज्य के आम जनमानस के साथ-साथ प्रतिवर्ष धार्मिक, आध्यात्मिक एवं साहसिक पर्यटन हेतु राज्य में आने वाले लाखों लोगों के मन मस्तिष्क में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। विकट परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों

के साथ ही आम जनमानस को आपदा की विभीषिका का बोध कराने एवं सामुदायिक क्षमता विकसित करने हेतु एसडीआएफ द्वारा वृहद स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किये जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ माह पूर्व जोशीमठ में आई प्राकृतिक भूधंसाव की घटना के पश्चात राहत एवं बचाव कार्य के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने का कार्य भी एसडीआरएफ के हमारे जवानों और अधिकारियों ने बड़ी ही कुशलता के साथ किया। उत्तरकाशी एवलांच की घटना के बाद फंसे हुए ट्रैकर्स को निकालने में भी एसडीआरएफ की बड़ी भूमिका रही थी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इसी प्रकार एसडीआरएफ आगे भी कुशलतापूर्वक किसी भी आपदा के समय राहत एवं बचाव का महत्वपूर्ण कार्य करती रहेगी। हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि एस.डी.आर.एफ के मुख्यालय बनने से यहां पर जवानों को प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हमारा हिमालयी क्षेत्र आपदा प्रभावित क्षेत्र होने के कारण एस.डी.आर.एफ को सशक्त बनाना जरूरी है। एसडीआरएफ के गठन के बाद से ही इनके द्वारा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एसडीआरएफ को जिला एवं मंडल स्तर तक भी लोगों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्थाओं की दिशा में भी आगे बढ़ना होगा।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि उत्तराखण्ड में एसडीआरएफ के गठन से ही उनके द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। एसडीआरएफ एक मोटिवेशनल फोर्स के रूप में आगे बढ़ रही है।

आपदा प्रबंधन की दृष्टि से एक सशक्त बल के रूप में कार्य कर रही है। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि एस.डी.आर.एफ की 05 कंपनियां कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 39 स्थानों पर एस.डी.आर.एफ की टीमें व्यवस्थित की गई हैं। आपदाओं के दौरान एसडीआरएफ के जवानों ने सराहनीय कार्य कर अपनी कार्यक्षमता का परिचय दिया है। इस अवसर पर विधायक बृज भूषण गैरोला, सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. पी.वी.के. प्रसाद, आई.जी.एस.डी.आर.एफ रिद्धिम अग्रवाल, सेनानायक एस.डी.आर.एफ मणिकांत मिश्रा एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने ली उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्था की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। सैनिक पुनर्वास संस्था, केंद्रीय सैनिक बोर्ड और अन्य संस्थाओं द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सैनिकों तथा उनके आश्रितों को मिले इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। यह बात राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को राजभवन में उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्था की बैठक लेते हुए कही। राज्यपाल ने कहा कि सैनिक पुनर्वास संस्था, संचालित योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करे।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने और अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में पात्र लोग योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं इस पर विशेष फोकस करने की जरूरत है। राज्यपाल ने योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए नयी तकनीकों के साथ-साथ वेबसाइट, सोशल मीडिया, मास मीडिया का प्रयोग करने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने के लिए विशेष कैम्प आयोजित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कैंप के माध्यम से पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण एवं जानकारी उपलब्ध करायी जाए इसके लिए जनपदों में तैनात सैनिक कल्याण अधिकारी के माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी समन्वय किया जाय।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड सैनिक बाहुल्य प्रदेश है यहां भूतपूर्व सैनिक राज्य में जैविक खेती, नेचुरल फार्मिंग, वनीकरण और सीमांत क्षेत्रों से रिवर्स पलायन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, इस पर भी कार्य करने की जरूरत है। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि योजनाओं के बेहतर उपयोग के लिए सभी पूर्व सैनिक, उनके आश्रितों को शामिल करने के लिए एक डाटा बेस तैयार किया जाए।

इस बैठक में सचिव सैनिक पुनर्वासदीपेन्द्र चौधरी द्वारा प्रबंधन समिति की आगामी बैठक

हेतु बिन्दु प्रस्तावित किए गए। इस बैठक में सचिवराज्यपालरविनाथ रामन, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया, निदेशक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर अमृतलाल, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव तथा उत्तराखण्ड सैनिक पुनर्वास संस्था के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्ञान वायरस : केला आखिर टेढ़ा ही क्यों होता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 अप्रैल , न्यूज़ वायरस आपको हमेशा रोचक और जानकारी से भरपूर खबरें पेश करता है। मकसद है उन तथ्यों से आपको रूबरू कराना जो अक्सर हमारे सामने होते हुए भी अनदेखा होता है। आज ऐसे ही एक सवाल का जवाब आपको बता रहे हैं जो आपके मन में भी उठता होगा। केला तो अक्सर खाते होंगे लेकिन क्या आपने ये कभी सोचा है कि केला हमेशा टेढ़ा ही क्यों मिलता है. जबकि शुरुआत में वह सीधा होता है. आपको इसके पीछे की असल वजह आज हम बताते हैं. केला एक ऐसा फल है, जो साल के 12 महीने हर सीजन में खाने को मिल जाता है. एनर्जी से भरपूर केले में फाइबर प्रचुर मात्रा में मिलता है, जिससे पेट का पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है. इसका दाम भी हर किसी के बजट के अंदर होता है, जिसके चलते इसे हर कोई खा सकता है. कई लोग केले को ऐसे ही खा लेते हैं तो कई लोग उसका शेक बनाकर पीते हैं. दर्जनों बार केला खाने के बावजूद क्या आपने कभी सोचा है कि उसका आकार टेढ़ा ही क्यों होता है. कोई भी केला आपको सीधा क्यों नहीं मिलता. इसके पीछे एक बड़ा वैज्ञानिक कारण है, जिसके बारे में आपको जानना चाहिए.

शुरुआत में सीधा होता है केला

असल में जब पेड़ पर केला लगना शुरू होता है तो वह एक गुच्छे के रूप में होता है. यह गुच्छा धीरे-धीरे जमीन की ओर नीचे लटकना शुरू कर देता है. उस वक्त तक केले का आकार सीधा ही होता है लेकिन विज्ञान में Negative Geotropism नाम की पेड़ों की एक प्रवृति का उल्लेख किया गया है. इस प्रवृति की वजह से पेड़ या उसके फल-पत्ते थोड़े से बड़े होने पर सूरज की ओर बढ़ना शुरू कर देते हैं. यह प्रवृति केले के साथ भी होती है, जिसके प्रभाव की वजह से केला धीरे-धीरे घूमकर ऊपर की ओर उठना शुरू हो जाता है. इसके चलते केले का आकार टेढ़ा होना शुरू हो जाता है.

इस वजह से होने लगता है टेढ़ा

वनस्पति वैज्ञानिकों के मुताबिक दुनिया में केले का पेड़ सबसे पहले बरसाती वनों में पैदा हुआ था. उन वनों में सूरज की रोशनी ढंग से नहीं पहुंच पाती थी. जिसके चलते केले के शुरुआती पेड़ों को सूरज की रोशनी हासिल करने के लिए ऊपर की उठना पड़ा. इसका असर उसके आकार पर पड़ा और वह टेढ़ाहो गया. बाद में जहां-जहां भी केले के पेड़ लगाए गए. वहां पर केले की यह प्रवृति उनके साथ ही बढ़ती चली गई, यही वजह है कि हमें केले का आकार टेढ़ा दिखता है.

हवा या सडक पर नहीं पानी पर दौड़ेगी मेट्रो, ये है पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 अप्रैल , देश को ऐसी मेट्रो ट्रेन मिलने जा रही है, जो ना तो हवा में यानी एलीवेटिड होगी ना ही सड़क पर और ना ही अंडरग्राउंड दौड़ेगी. ये ट्रेन सभी को पानी पर दौड़ती हुई दिखाई देगी. मंगलवार यानी 25 अप्रैल को भारत अपनी पहली वॉटर मेट्रो मिल जाएगी. केरल के कोच्चि जिले में पहली वॉटर मेट्रो शुरू की जाएगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल को वॉटर मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे. केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि कोच्चि वॉटर मेट्रो स्टेट वॉटर ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में एक बड़ी क्रांति लाएगी और स्टेट टूरिज्म को बढ़ावा देगी.

कोच्चि वॉटर मेट्रो की 10 सबसे खास बातें

कोच्चि शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा तैयार, मेट्रो प्रोजेक्ट 8 इलेक्ट्रिक हाइब्रिड बोट्स के साथ शुरू होगी.कोच्चि वॉटर मेट्रो पोर्ट शहर और उसके आसपास के 10 आइलैंड को जोड़ेगी.यह ड्रीम प्रोजेक्ट केरल सरकार और जर्मन फर्म KfW द्वारा फंडिड है.कुल मिलाकर कोच्चि वाटर मेट्रो प्रोजेक्ट में 78 इलेक्ट्रिक बोट और 38 टर्मिनल शामिल हैं.

पहले फेज में कोच्चि वाटर मेट्रो सर्विस हाईकोर्ट-वाइपिन टर्मिनलों और व्याटिला-कक्कनाड टर्मिनलों से शुरू होगी. केरल के सीएम के अनुसार, पैसेंजर ट्रैफिक में फंसे बिना 20 मिनट से भी कम समय में हाई कोर्ट टर्मिनल से वायपिन टर्मिनल तक पहुंच सकेंगे. वायत्तिला से वॉटर मेट्रो के जरिए 25 मिनट में कक्कानाड पहुंचा जा सकता है.कोच्चि वाटर मेट्रो के टिकट की बात करें तो बोट ट्रैवल का मिनिमम किराया 20 रुपये है. रेगुलर पैसेंजर्स के लिए वीकली और मंथली पास है. कोच्चि वन कार्ड का उपयोग कर कोच्चि मेट्रो ट्रेन और कोच्चि वॉटर मेट्रो में ट्रैवल कर सकते हैं. कोच्चि वन ऐप के जरिए टिकटों को डिजिटल रूप से बुक किया जा सकता है.कोच्चि वॉटर मेट्रो लिथियम टाइटेनाइट स्पिनल बैटरी से चलेगी.... वॉटर मेट्रो को पर्यावरण के अनुकूल है और दिव्यांग लोगों के लिए भी सेफ मानी जा रही है... बोट्स एयरकंडीशंड होने के साथ वाइड विंडो भी होंगी... कोच्चि जल मेट्रो प्रोजेक्ट की कुल लागत 1,137 करोड़ रुपये है.

रोजाना चलिए 10 हजार कदम मिलेंगे कमाल के फायदे

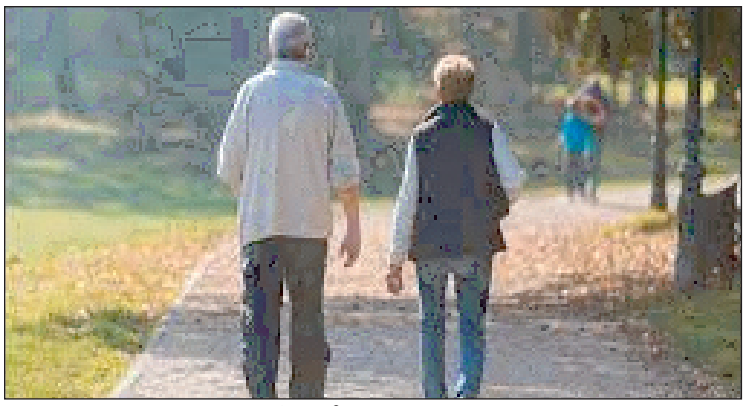

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 अप्रैल , खराब लाइफस्टाइल और गलत खान पान की वजह से कई लोग इस वक्त मोटापे की समस्या से परेशान हैं। वेट लॉस के लिए लोग घंटों जिम में पसीना बहाते हैं। लेकिन शायद उन्हें मालूम नहीं है कि फिट रहने के लिए चलना यानी वॉक करना कितना जरूरी है। हर किसी के लिए ये मुमकिन नहीं है कि वो जिम में जाकर एक्सरसाइज कर सके लेकिन हर कोई पैदल चल सकता है। मार्केट में कई तरह की डिवाइस उपलब्ध है जो ये बताता है कि आप एक दिन में कितना वॉक कर रहे हैं। फिटनेस फ्रीक लोग कई बार स्टेप्स काउंट चैलेंज भी लेते रहते हैं। वॉकिंग फिटनेस ड्रेड बन चुका है। फिट रहने के लिए अब हर कोई वॉक करना पसंद करता है। कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि पूरे दिन में 10 हजार कदम चलना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। रोजाना 10 हजार कदम यानी 7.6 कलोमीटर चलने से मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है, शरीर की ऊर्जा भी बढ़ती है। इसी कड़ी में आज हम आपको रोजाना 10 हजार कदम चलने के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

10 हजार कदम चलने से कतिनी कैलोरीज बर्न होती हैं

ये अमुमन हर कोई जानना चाहता है कि कितने कदम चलने पर कितनी कैलोरी बर्न होती है। सिंपल शब्दों में समझें तो 1 हजार कदम चलने से करीब 30 से 40 कैलोरीज बर्न होती हैं। ऐसे में अगर आप रोजाना 10 हजार कदम चलते हैं, तो आप 300 से 400 कैलोरीज बर्न कर सकते हैं। केवल 10 हजार कदम चलने से वेट लॉस नहीं होगा बल्कि इसके साथ आपको अन्य एक्सरसाइज और हेल्दी डाइट भी लेने की जरूरत होगी।

हार्ट के लिए

रोजाना 10 हजार कदम चलने से हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है। अगर आप रोजाना वॉक करते हैं तो इससे हार्ट अटैक का खतरा कम होगा।

ब्लड प्रेशर

रोजाना 10 हजार कदम चलने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। ऐसे में हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों को रोजाना वॉक करना चाहिए।

एंग्जाइटी और डप्रिशन

एंग्जाइटी और डप्रिशन की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी वॉकिंग काफी कारगर साबित होता है।

अनद्रिा

अनिद्रा की समस्या से परेशान लोगों के लिए वॉकिंग काफी फादेमंद साबित होता है। ऐसे में रोजाना 10 हजार कदम जरूर चलें।

भू-कानून लागू करने में सरकार क्यों कर रही देर : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 25 अप्रैल , उत्तराखंड में नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने एक बार फिर भू कानून पर सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किये हैं उन्होंने कहा है कि बीजेपी सरकार का पूरा साल बीत गया,प्रधानमंत्री जी ने चुनाव पूर्व कहा था ₹ मित्रों अब पहाड़ का पानी और जवानी दोनों पहाड़ के काम आएगी ₹ सरकार का वादा था नया जनहितकारी भू-कानून लाएंगे, जो कृषि एवं अन्य भूमि_व्यवस्था सुधार आयोग के तहत कार्य करेगा।

इसके अंतर्गत भूमि की पैमाइश कर उसे सिंचित-असिंचित में वर्गीकृत किया जाएगा, जिसे किसानों और भूमिधारकों को सहूलियत होगी। कमेटी बनी, सुझाव मिले, सुझावों को शामिल करके रिपोर्ट बनी, रिपोर्ट सरकार को सितम्बर 2022 में सौंप दी गई परंतु सरकार आजतक एक सशक्त भू-कानून लाने में वह नाकाम साबित हुई।

आर्य ने कहा है कि उत्तराखंड राज्य निर्माण की लड़ाई जल, जंगल जमीन को लेकर थी। मगर आज जल स्रोत सूख रहे हैं, जंगल घट रहे हैं, कृषि भूमि ग़ैर कृषि कार्यों के लिए धड़ल्ले से दी जा रही है। सरकार से लगातार इस संदर्भ में प्रश्न पूछने पर रटा रटाया जवाब मिलता है कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही भू-कानून के परीक्षण से संबंधित गठित समिति की रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर जनहित व प्रदेश हित में समिति की संस्तुतियों पर विचार करेगी और भू-कानून में संशोधन करेगी। लेकिन प्रतीत होता है उत्तराखण्ड सरकार अस्वस्थ है देवभूमि की रक्षा के लिए, भू-क़ानून की प्रतिकिर्या अभी भी बदहाल है।दिग्गज कोंग्रेसी लीडर और नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भूमि बचाना सिर्फ भूमि बचाना नहीं अपितु भाषा, संस्कृति, परंपराओं को जीवित रखना भी है। कोई भी संस्कृति किराए पर जीवित नहीं रहती; परंपराएं जड़ से दूर होकर दम तोड देती है। आज प्रदेश में बाहरी राज्यों के धनवान लोगों द्वारा उत्तराखंड में बेरोकटोक भूमि का क्रय मनमाने ढंग से किया जा रहा है। जिससे उत्तराखंड के छोटे किसान अपनी भूमि से बेदखल हो रहे हैं तथा बिचौलिए एवं भू माफिया प्रदेश के निर्धन निवासियों का शोषण कर रहे हैं। बढते जनसंख्या घनत्व व बेतरतीब अवैध निर्माणों से पर्यावरण असंतुलन तो हैं ही साथ ही डेमोग्राफिक चेंज भी बहुत तेजी से हो रहा हैं। यदि इस प्रकार से जमीनों का विक्रय होता रहा तो भविष्य में इस पर्वतीय राज्य में युवाओं को कृषि बागवानी मौन पालन पुष्प उत्पादन पशुपालन डेयरी फल एवं सब्जी उत्पादन जैसे स्वरोजगार के लिए आवश्यक भूमि से वंचित होना पड़ेगा और आने वाली पीढ़ियों को टिकट बेरोजगारी एवं पलायन का सामना करना पड़ेगा।

विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना ज़रूरी : सोनिका, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 25 अप्रैल , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नारकोटिक्स समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षाधिकारी, देहरादून को निर्देशित किया गया कि नारकोटिक्स के सम्बन्ध में कक्षा 08 से 12 तक के विद्यार्थियों को ड्रग्स एवं नशे के दुष्प्रभाव को रोकने से सम्बन्धित पाठ्यक्रम एन०सी०ई०आर०टी० की पुस्तक में सम्मिलित किये जाने के लिये पत्राचार करें, जिससे भविष्य में विद्यार्थियों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाया जा सके। जिलाधिकारी ने स्कूलों में कांउसिलिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए स्कूलों एवं कॉलेजों के समीप यदि कोई शराब की दुकानें है तो उसकी सूची तैयार करें जिससे भविष्य में उन दुकानों का हटाया जा सके। साथ ही निर्देशित किया कि स्कूल कालेजों से 100 मी० के भीतर तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट आदि नशीले/मादक पदार्थ की दुकानें न हो। पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि भविष्य में जो भी कार्यवाही हो उसे बढ़े स्तर पर अवैध रूप से हो रहे नारकोटिक्स से सम्बन्धित बढ़े कारोबारियों/ तस्करों पर कार्यवाही की जाये, एवं स्कूलों तथा हॉस्टलों की नियमित निगरानी करते हुये प्रत्येक स्कूल/हॉस्टल में नारकोटिक्स से सम्बन्धित कार्यवाही एवं अभिभावकों के साथ काउसिलिंग करनें तथा समस्त कार्यवाही की सूचना आगामी बैठक में प्रस्तु करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक क्राईम सर्वेश कुमार, जिला आबकारी अधिकारी राजीव चौहान, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रदीप रावत, डॉ निधि रावत, ड्रग इंस्पैक्टर नीरज कुमार, सहायक समाज कल्याण अधिकारी संदीप सिंह आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

प्रशिक्षण शिविर हेतु अस्थाई तौर लिपिक-कम-टाइपिस्ट की आवश्यकता

देहरादून। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी देहरादून ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला सैनिक कल्याण देहरादून द्वारा भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर हेतु अस्थाई तौर पर नियत वेतन पर लिपिकीय कार्य हेतु 01 लिपिक-कम-टाइपिस्ट की आवश्यकता है। अभ्यर्थी सेना से लिपिक पद से सेवामुक्त होना चाहिए । इच्छुक अभ्यर्थी , अपना आवेदन दिनांक 29 अप्रैल तक किसी भी कार्य दिवस में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, देहरादून में जमा करा सकते हैं। चयनित अभ्यर्थीयों को साक्षात्कार हेतु दूरभाष के माध्यम से सूचित किया जायेगा। पूर्ण जानकारी हेतु दूरभाष संख्या 941032614 एवं 7895148803 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

भारत विकास परिषद देहरादून ग्रेटर के अध्यक्ष बने कृष्ण, सचिव जयप्रकाश

देहरादून। भारत विकास परिषद के देहरादून ग्रेटर शाखा के शपथ ग्रहण समारोह में प्रांतीय महासचिव एवं अधिष्ठापन अधिकारी मनीषा सिंघल ने वर्ष 2023-24 के कृष्ण कुमार अरोड़ा को अध्यक्ष, डॉ. जय प्रकाश सेमवाल को सचिव, गिन्नी नेगी को महिला संयोजिका समेत अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को पद व गोपनियता की शपथ दिलाई। सहारनपुर रोड स्थित होटल एलीसी में देहरादून ग्रेटर शाखा के शपथ ग्रहण समारोह की मुख्य अतिथि डॉली डबराल, प्रांतीय अध्यक्ष बीपी गुप्ता की मौजूदगी में शाखा में 15 नए सदस्यों को परिषद की सदस्यता की शपथ दिलवायी गई। प्रांतीय अध्यक्ष ने पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। निवर्तमान अध्यक्ष केके अरोड़ा, सचिव शैलेन्द्र गुप्ता ने सभी का स्वागत शाखा के सेवा और संस्कार कार्यो के बारे में बताया। शाखा के वरिष्ठ सदस्य व प्रान्तीय संरक्षक अर्जुन दास भारद्वाज द्वारा भूमि दान देने के कार्य की सराहना की गई। इस जमीन पर भारत विकास परिषद अस्पताल खोलेगा। जिसमें सेलाकुई में रहने वाले मजदूरों एवं अभावग्रस्त लोग लाभान्वित होगे। मुख्य अतिथि डॉली डबराल ने नये पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। मौके पर प्रांत के वित्त सचिव रोहित कोचगवे, प्रान्तीय महिला संयोजिका सुगंध जैन, प्रांतीय उपाध्यक्ष सेवा अरुणा चावला, प्रान्तीय उपाध्यक्ष संपर्क निशा अग्रवाल, देहरादून के अन्य शाखाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन महिला संयोजिका सारिका चौधरी ने किया।

हर विधानसभा के 25 कमजोर बूथों पर जन संवाद करेगी भाजपा

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी राज्य की सभी 70 विधानसभा सीटों के 25 सबसे कमजोर बूथों पर जन संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। लोकसभा सांसदों के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस अभियान की शुरूआत 15 मई से होगी।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि लोकसभा चुनाव अभियान के तहत इस जन संवाद कार्यक्रम को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जन संवाद कार्यक्रम 15 मई से 16 जून तक आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में लोकसभा सांसद प्रत्येक विधानसभा के सबसे कमजोर 25 बूथों पर विभिन्न आयोजनों के जरिए आम लोगों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य 2024 के लोकसभा चुनावों में सिर्फ जीतना ही नही बल्कि बड़े अंतर से जनता का विश्वास हासिल करना है।

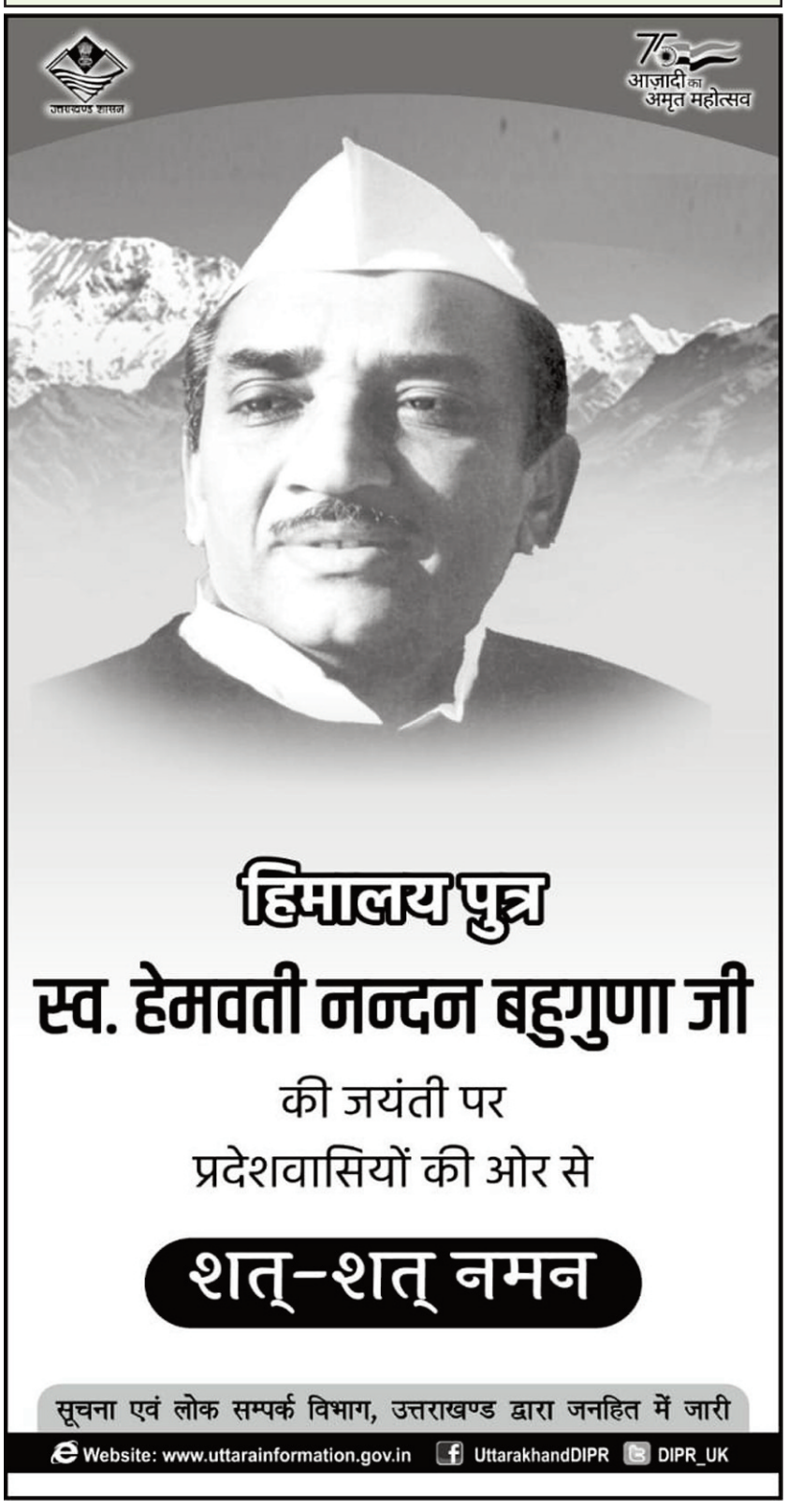

जानिए चार धाम की पहली यात्रा का इतिहास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 अप्रैल , उत्तराखंड में चार धाम यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर काफी उत्साह है । हर साल चारधाम यात्रा का आयोजन होता है और लाखों की संख्या में लोग चारधाम यात्रा के लिए पहुंचते हैं। लेकिन कभी आपके मन में ये सवाल आया या कभी अपने यह जानने की सोची कि आखिर चारधाम यात्रा पहली बार कब शुरू हुई। तो चलिए इस ख़बर में आपको बताते है। कहा जाता है कि 8वीं-9वीं सदी में आदिगुरु शंकराचार्य ने बद्रीनाथ की खोज की थी। उन्होंने ही धार्मिक महत्व के इस स्थान को दोबारा बनाया था. बताया जाता है कि भगवान बद्रीनाथ की मूर्ति यहां तप्त कुंड के पास एक गुफा में थी और 16वीं सदी में गढ़वाल के एक राजा ने इसे मौजूदा मंदिर में रखा था. जबकि केदारनाथ भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। स्थानीय लोग चारों धामों में श्रद्धा पूर्वक जाते थे, लेकिन 1950 के दशक में यहां धार्मिक पर्यटन के लिहाज से आवाजाही बढ़ी। 1962 के चीन युद्ध के चलते क्षेत्र में परिवहन की व्यवस्था में सुधार हुआ तो चारधाम यात्रा पर आने

वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ने लगी। स्कंद पुराण के अनुसार गढ़वाल को केदारखंड कहा गया है। केदारनाथ का वर्णन महाभारत में भी है। महाभारत युद्ध के बाद पांडवों के यहां पूजा करने की बातें सामने आती हैं। माना जाता है कि 8वीं-9वीं सदी में आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा मौजूदा मंदिर को बनवाया गया था। बद्रीनाथ मंदिर के बारे में भी स्कंद पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन मिलता है। बद्रीनाथ मंदिर के वैदिक काल में भी मौजूद होने के बारे में पुराणों में वर्णन है। गंगा को धरती पर लाने का श्रेय पुराणों के अनुसार राजा भगीरथ को जाता है। गोरखा लोग (नेपाली) ने 1790 से 1815 तक कुमाऊं-गढ़वाल पर राज किया था, इसी दौरान गंगोत्री मंदिर गोरखा जनरल अमर सिंह थापा ने बनाया था। उधर यमुनोत्री के असली मंदिर को जयपुर की महारानी गुलेरिया ने 19वीं सदी में बनवाया था। हालांकि कुछ दस्तावेज इस ओर भी इशारा करते हैं कि पुराने मंदिर को टिहरी के महाराज प्रताप शाह ने बनवाया था। मौसम की मार के कारण पुराने मंदिर के टूटने पर मौजूदा मंदिर का निर्माण किया गया है।

नैनीताल पुलिस ने 43 लाख के मोबाइल बरामद कर लौटाई मुस्कान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल , 25 अप्रैल , एसएसपी नैनीताल पंकज भट्ट द्वारा आम जनता के मोबाइल फोन गुमशुदगी होने की लिखित शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुये त्वरित कार्यवाही करने हेतु मोबाइल एप्प को आदेशित किया गया था। मोबाइल एप्प नैनीताल को डॉ जगदीश चन्द्र पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात नैनीताल व श्री हरबंस सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर हल्द्वानी के निर्देशन एंव नितिन लोहनी, क्षेत्राधिकारी ऑप्स हल्द्वानी के पर्यवेक्षण में प्रभारी साईबर सैल निरीक्षक हरपाल सिंह के नेतृत्व में आरक्षी 315 ना0पु0 किशन सिंह कुँवर, आरक्षी 568 ना0पु0 नरेश मेहरा,आरक्षी 781 ना0पु0 बलवन्त सिंह बिष्ट ,महिला आरक्षी 824 ना0पु0 पूजा चौधरी के द्वारा शिकायतकर्ताओं के प्रार्थना पत्रों के आधार पर माह जनवरी 2023 से अब तक की आई0एम0ई0आई0 नम्बरों को प्रभारी, एस0ओ0जी0 राजवीर नेगी के माध्यम से सर्विलांस में लगाये गए

2016 से अब तक 6.21 करोड़के मोबाइल किए बरामद

इसी के साथ 328 मोबाइलो की आईएमईआई का प्रचलन में आधार पर विभिन्न राज्यों उत्तर प्रदेश, दिल्ली , राजस्थान व उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से कुल 328 मोबाइल फोन, मोबाइल एप्प टीम द्वारा रिकवर किये गये । विभिन्न कम्पनियों के निम्नांकित मोबाइल फोन उनकी अनुमानित कीमत 43,31,000 रुपया है। वर्ष 2016 में मोबाइल एप्प के गठन से अब तक कुल 5,262 मोबाइल

फोन रिकवर किये गये जिनकी अनुमानित कीमत 62,192,000 Rs. (6.21 Crore) है । 2022 में कुल 1500 मोबाइल फोन मूल्य 2.5 करोड़ रुपए। एसएसपी नैनीताल द्वारा मोबाइल रिकवरी टीम को 5,000 रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

रिकवर मोबाइल फोन का विवरण

1.सैमसंग- 252. रियलमी-393. रैडमी-364. नोकिया-025. ओप्पो-626. वीवो-497. टैक्नो-118. इनफीनिक्स-039. नारजो-1210. वन प्लस-0311. पोको-0812. आईक्यू-0113. मोटोरोला-0114. माइक्रोमैक्स-0115. आईटेल-0116. जियो-0117. अन्य-73

सुरक्षा व्यवस्था परखने जोलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे डीआईजी देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 25 अप्रैल , माह मई में प्रस्तावित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान देश विदेश के अनेक वीआईपी का जनपद देहरादून आना होगा ऐसे में पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट व उसके आसपास के क्षेत्र में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान तैयार किये गये सुरक्षा/यातायात प्लान के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी। इस दौरान जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट के अन्दर की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मौके पर उपस्थित सीआईएसएफ के अधिकारियो से सम्मेलन में आने वाले अतिथियो के एयरपोर्ट

से बाहर आने के लिये की गयी व्यवस्थाओं के सम्बन्ध जानकारी ली गयी तथा सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी ऋषिकेश व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिकों ने मांगों को लेकर अंबीवाला में निकाली रैली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। ओआरओपी और एमएसपी को लेकर आंदोलन कर रहे पूर्व सैनिकों ने सोमवार को अंबीवाला क्षेत्र में रैली निकाली। इससे पहले पूर्व सैनिक यहां शारदा वेडिंग प्वाइंट में इक_ा हुए। वहां उन्होंने अपनी मांगों लेकर आंदोलन मजबूत करने की रणनीति बनाई। गौरव सैनानी एसोसिएशन के बैनर तले सोमवार को श्यामपुर, ठाकुरपुर, लक्ष्मीपुर, उम्मेदपुर, देवीपुर, प्रेमनगर, स्मिथ नगर, राघव विहार, बनियावाला, पीताम्बरपुर, गोरखपुर व आसपास के पूर्व सैनिक अंबीवाला में इक_ा हुए। इस मौके पर संगठन से जुड़े खुशाल सिंह परिहार ने कहा कि पूर्व सैनिकों को अपने हकों की बातें बहुत कम पता है। इसलिए गौरव सैनानी एसोसिएशन राज्य के हर जिले में जाकर पूर्व सैनिकों को इन विसंगतियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दे रहा है। गिरीश जोशी ने कहा कि प्रत्येक दिन गौरव सैनानी एसोसिएशन लोगों को आंदोलन में जोड़ रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष महावीर सिंह राणा ने बताया पूर्व सैनिकों को हमेशा गुमराह किया गया। पे कमीशन कमेटी के अधिकारियों ने हमेशा अपने हित को ऊपर रखा। जेसीओ व जवानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। ओआरओपी, एमएसपी, वीर नारियों की पेंशन, विकलांगता पेंशन, वीआरएस, उपनल हर जगह अफसर और सैनिकों में मिलने वाले लाभ में विसंगतियां हैं। उन्होंने कहा कि मांगें नहीं माने जाने तक पूर्व सैनिकों को आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने अंबीवाला में पैदल रैली निकालकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान मनवर सिंह रौथाण, प्रेम सिंह पंवार, दरवान बिष्ट, रामेश्वर राणा, रणवीर सिंह, लक्ष्मण सिंह, भरत बुटोला, विक्रम कंडारी, बिरेंद्र सिंह, कलम सिंह, यद्धवीर बिष्ट, अनिल पैन्यूली, उत्तम गुसाईं, गौतम सिंह, अमीरचंद राणा, जयवीर राणा, गोविंद सिंह शामिल रहे।

शुरुआत में ही हृदय रोग की टोह देने वाला नया उपकरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 अप्रैल , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के शोधकर्ताओं ने रक्त वाहिकाओं के स्वास्थ्य और उम्र का पता लगाने के लिए एक नया उपकरण विकसित किया है। यह एक पोर्टेबल उपकरण है, जो हृदय रोगों की शुरुआती जाँच में मददगार हो सकता है। आर्टैंस नामक यह उपकरण ब्लड प्रेशर की निगरानी के लिए उपयोग होने वाले डिजिटल ब्लड प्रेशर मॉनिटर की तर्ज पर काम करता है।

आईआईटी मद्रास में हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर में विकसित यह कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ा गैर-इमेजिंग परीक्षण है।

हृदय रोगों की घटनाओं को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना कि नियमित चिकित्सीय परीक्षणों में स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करने के लिए आर्टैंस का उपयोग गैर-विशेषज्ञों द्वारा भी किया जा सकता है। ऊपरी बाँह और जाँघों पर लगाये जाने वाले प्रेशर कफ और कैरोटिड धमनी का पता लगाने के लिए गर्दन की सतह पर लगाने के

लिए परीक्षण इस उपकरण में शामिल है। यह उपकरण कैरोटिड धमनी कठोरता, महाधमनी नाड़ी तरंग वेग और केंद्रीय रक्तचाप को मापता है। आईआईटी मद्रास के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ जयराज जोसेफ कहते हैं– "इस उपकरण को विकसित करने का उद्देश्य शुरूआती चरण में ही हृदय संबंधी कमजोरियों का पता लगाना है और लोगों को मरीज बनने से रोकना है।" जोसेफ कहते हैं – ₹पाँच हजार से अधिक लोगों पर इसका मूल्यांकन किया गया है, और व्यापक परीक्षण के बाद उपकरण प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण के लिए तैयार है।₹इस उपकरण को अमेरिका, यूरोपीय संघ और भारत में पाँच यूटिलिटी पेटेंट प्राप्त हैं, और इसके पास दस डिजाइन पेटेंट हैं, तथा विभिन्न क्षेत्रों में 28 पेटेंट प्रक्रियाधीन हैं।

आर्टैंस का व्यावसायिक उपयोग कार्डियो डायग्नोस्टिक्स में लगी चिकित्सा उपकरण कंपनियों में हो सकता है। गैर-सरकारी संगठनों एवं सामाजिक निकायों द्वारा लगाये जाने स्वास्थ्य जाँच शिविरों, फिटनेस क्षेत्र की कंपनियों में भी इस उपकरण का उपयोग हो सकता है, जहाँ लोगों के फिटनेस संकेतकों को ट्रैक करने और स्वास्थ्य परियोजनाओं को तैयार एवं लागू करने के लिए तकनीक के उपयोग पर जोर दिया जाता है। आईआईटी मद्रास के वक्तव्य के अनुसार, पहले से ही नीदरलैंड और भारत के कई अस्पतालों के शोधकर्ताओं द्वारा आर्टैंस का उपयोग किया जा रहा है। यह अध्ययन शोध पत्रिका जर्नल ऑफ हाइपरटेंशन में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं में डॉ जयराज जोसेफ के अलावा पी.एम. नबील और किरण राज शामिल हैं।

उद्योगपति मुकेश अंबानी के इस फैसले से खुश हो जाएंगे बच्चे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 अप्रैल , बच्चे सबसे ज्यादा क्या प्यार करते हैं! जी हां, आपने सही अनुमान लगाया, खिलौने। देश के बिजनेस टाइकून मुकेश अंबानी ने ब्रिटिश टॉय ब्रैंड Hamleys को खरीदने के बाद अब एक कदम और आगे बढ़ा दिया है। अब रिलायंस इंडस्ट्री भी खिलौने खुद बनाएगी। रिलायंस रिटेल और घरेलू खिलौना कंपनी रोवन ने खिलौने बनाने के लिए हरियाणा की एक फर्म के साथ एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया है।कंपनी ने खिलौनों के कारोबार का विस्तार करने के लिए सर्कल ई-रिटेल, सोनीपत, हरियाणा के साथ एक संयुक्त उद्यम में प्रवेश किया है। रिलायंस रिटेल के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) दिनेश तालुजा ने पिछले हफ्ते कहा, 'हमने खिलौने बनाने के

लिए सर्कल ई-रिटेल के साथ एक ज्वाइंट वेंचर बनाया है।सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अब डिजाइन से लेकर खिलौनों की डिलीवरी तक की प्रक्रिया को एकीकृत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत डिजाइन और निर्माण से लेकर उत्पाद की खुदरा बिक्री तक की पूरी प्रक्रिया पर रिलायंस रिटेल का नियंत्रण होगा। इससे रिलायंस को विभिन्न चरणों में अन्य कंपनियों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।सर्कल-ई रिटेल को खिलौना निर्माण में विशेषज्ञता हासिल है। इसकी हरियाणा में एक आधुनिक विनिर्माण इकाई है और खिलौनों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण और वितरण के लिए लाइसेंस प्राप्त है।

एक झटके में सामने आ जाएगा नकली iPhone का सच !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 25 अप्रैल , इस बीच भारत में आईफोन को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिला है। दरअसल इस समय ई-कॉमर्स वेबसाइट पर सेल शुरू हो चुकी है ऐसे में लोग धड़ल्ले से आईफोन खरीद रहे हैं और भारी डिस्काउंट का फायदा उठा रहे हैं. जब किसी उत्पाद की मांग अत्यधिक बढ़ जाती है, तो धोखाधड़ी की संभावना भी बहुत अधिक होती है। कई बार ऑनलाइन शॉपिंग करते समय लोग नकली उत्पादों के साथ फंस जाते हैं और उन्हें हजारों रुपये का नुकसान हो जाता है। अगर आप भी आईफोन खरीदने जा रहे हैं और आपको डर है कि कहीं आपको नकली आईफोन न मिल जाए तो आज हम आपको नकली आईफोन की पहचान करने का तरीका बताने जा रहे हैं।

बैक पैनल की जांच करना जरूरी है

ओरिजनल आईफोन मॉडल में आपको जो बैक पैनल दिया गया है वह ग्लास का बना होता है और इसे देखकर या छूकर आसानी से पहचाना जा सकता है वही नकली आईफोन मॉडल में यह प्लास्टिक का बना होता है तो आप ध्यान दें तो पकड़ सकते हैं यह। .आमतौर

पर आईफोन का डिस्प्ले काफी ब्राइट और बेहद स्मूथ होता है, लेकिन अगर आपके घर पर आईफोन की डिलीवरी हुई है और उसके डिस्प्ले से ये चीजें नहीं दिख रही हैं तो आप समझ जाएं कि आईफोन नकली हो सकता है। नकली आईफोन मॉडल की डिस्प्ले बेकार और नीरस होती है और यह काफी धीमी होती है जिससे आप इसे पहचान सकते हैं।

साइड प्रोफाइल की जाँच करना

कई बार सामने और पीछे से डिजाइन में कई समानताएं होती हैं, ऐसे में नकली और असली आईफोन का पता लगाना मुश्किल हो सकता है, लेकिन अगर किनारों की जांच की जाए तो यहां आपको नकली आईफोन में कुछ खामियां नजर आ सकती हैं जो असली आईफोन हैं। ये आईफोन से काफी अलग हैं क्योंकि आईफोन की हूबहू कॉपी बनाना मुश्किल है। किनारों को देखकर आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आईफोन नकली है या असली।

संक्षप्ति खबरें

बीपीएड बेरोजगारों का शिक्षा मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन

देहरादून। बेसिक स्कूलों में शारीरिक शिक्षक नियुक्ति की मांग को लेकर बेरोजगारों ने शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के सरकारी आवास के बाहर सांकेतिक प्रदर्शन किया। सोमवार को बीपीएड-एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगार संगठन के पदाधिकारी शिक्षा मंत्री से मिलने के लिए उनके यमुना कालोनी स्थित आवास पहुंचे। लेकिन मंत्री उस वक्त आवास में नहीं थे। इससे बेरोजगारों को गुस्सा भडक़ उठा। उन्होंने आवास के बाहर की नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।
संगठन के अध्यक्ष जगदीश पांडे ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य किया गया है। छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए उनका स्वस्थ होना भी जरूरी है।
पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ शारीरिक शिक्षा से छात्रों को दोहरा लाभ मिलेगा। वो शैक्षिक रूप से भी बेहतर विकसित होंगे और शारीरिक रूप से भी। उन्होंने कहा कि सरकार की ढुलमुल नीति की वजह से हर साल बड़ी संख्या में बीपीएड-एमपीएड प्रशिक्षत युवा ओवरऐज होते जा रहे हैं। पांडे ने शिक्षा मंत्री से मांग की कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द सभी स्कूलों में शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति करें। प्रदर्शन करने वालों में अर्जुन लिंगवाल, संजय त्रिपाठी, संजय कोरंगा, धर्मेंद्र रावत, अनिल राज, सुरेश ध्यानी, मेहरबान अली, गोविंद, अजीत, सुषमा, हरेंद्र खत्री, मातबर भारतीय, जगबीर बुडेरा, हर्षवर्धन, आशीष, सुनील नैनवाल, भुवनेश बिष्ट, रजनीश कुमार आदि शामिल रहे।

2025 तक उत्तराखंड को कार्बन मुक्त बनाने का संकल्प

देहरादून। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदेश को 2025 तक कार्बन मुक्त करने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि 2025 तक राज्य को पूर्ण साक्षर करने, हर कॉलेज को ग्रीन कैंपस बनाने, तंबाकू मुक्त, नशा मुक्त कॉलेज व टीवी मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें अब कार्बन मुक्त प्रदेश का संकल्प भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम मंत्रालय ने 2030 तक देश को कार्बन मुक्त करने के लिए जो कार्य सूची बनाई है उत्तराखंड इसमें पूरा साथ देगा। स्कूल कॉलेजों में अगले 15 दिन जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ द्वारा ऊर्जा संरक्षण नेट जीरो की ओर-सक्षम कार्यक्रम के तहत प्रदेश में आठ मई तक पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसकी शुरुआत उच्च शिक्षा मंत्री ने आईआईपी मोहकमपुर परिसर में की।

टेनिस प्रतियोगिता में अनय और आरव ने बाजी मारी

देहरादून। सेंट जोसफ ओपन टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-06 वर्ग में अनय और अंडर-08 में आरव ने पहला स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के 150 से अधिक खिलाडियों ने हिस्सा लिया। सेंट जोसेफ टेनिस अकादमी में उत्तराखंड स्पोर्ट्स फेडरेशन के सहयोग से प्रतियोगिता के अंडर-10 बालिका वर्ग में शिवांशी ने पहला, सिद्धिमा मिश्रा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-12 बालिका सिंगल में पूर्वी और माहिरा क्रमशः पहले, दूसरे स्थान पर रही। अंडर-14 बालिका सिंगल में माहिरा भाटिया ने पहला, पूर्वी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका ओपन में माहिरा पहली और अदिति अरोड़ा दूसरी रहीं। बालक अंडर-12 सिंगल में भाव्यम पहले, आरव दूसरे स्थान पर रहे। अंडर-14 बालक में अश्विन, आरव ने क्रमशः पहला, दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-16 बालक में सचिन पहले और ऋषिकेश दूसरे रहे। अंडर- 18 बालक में रायन और नैवेध्य ने पहला, दूसरा स्थापन हासिल किया। बालक ओपन में वरुण पहले और सचिन दूसरे स्थान पर रहे। सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक शूरवीर चौहान ने विजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया। मौके पर प्रदीप पंत, राजीव यादव, मोनिश अहमद, अशोक भंडारी आदि मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या कल पहुंचेगी पिथौरागढ़

पिथौरागढ़। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या अपने तीन दिवसीय दौर पर कल सीमांत जनपद पहुंचेगी। प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार को शाम चार बजे वे जिला मुख्यालय पहुंचेगी। वे एंचोली स्थित खाद्य गोदाम एफसीआई का निरीक्षण करेंगी। रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन वे खडक़ोट स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेगी। 12बजकर 10 मिनट में कैबिनेट मंत्री रेखा टकाना स्थित शूटिंग रेंज भवन का शिलान्यास करेंगी। लेलू में आवासीय भवनों का शिलान्यास के बाद वे मुनस्यारी रवाना होंगी। गुरुवार को वे मुनस्यारी में पंडित नैनसिंह रावत पर्वतारोहण संस्थान का लोकापर्ण कर धारचूला जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गो पर 50 हेल्थ एटीएम का किया लोकापर्ण

सुलभ और अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 25 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को सुलभ और अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार व स्वास्थ्य विभाग गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। यात्रा मार्गो व दूरदराज क्षेत्रों में लगाए जा रहे हेल्थ एटीएम यात्रियों तथा स्थानीय जनता के लिए अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। हेल्थ एटीएम तकनीक लोगों को सुलभ और सस्ती प्राथमिक और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा पेशे में सबसे महत्वपूर्ण विकासों में से एक है। यह शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बीच की खाई को पाटने जा रहा है और दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करेगा।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में चारधाम यात्रा मार्गो पर एचपीई कम्पनी के सीएसआर के तहत प्रदान किये जाने वाले 50 हेल्थ एटीएम का लोकापर्ण किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग तथा (हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज) एचपीई के मध्य मानसरोवर यात्रा हेतु कुमांऊ क्षेत्र में 25 हेल्थ एटीएम स्थापित करने के लिए एमओयू किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हाल ही में राज्य के विभिन्न स्थानों में स्थापित किए गए हेल्थ एटीएम के माध्यम से अभी तक 1700 से अधिक लोग अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवा चुके हैं।

सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार की टीम कर रही बेहतरीन काम

लोगों को हेल्थ एटीएम का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्थापित किए गए हेल्थ एटीएम का सुचारू संचालन व देखभाल भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों पर सुलभ चिकित्सा सुविधाएं होना भी आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चारधाम यात्रियों हेतु हेल्थ गाइडलाइन्स जारी की गई है, जिनका पालन आवश्यक है। इसके साथ ही तीर्थयात्री मौसम की जानकारी भी रखे तथा उसके अनुसार ही अपनी यात्रा को आगे बढ़ाये। हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज ने चार धाम तीर्थ स्थलों पर आसान और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 50 क्लाउड सक्षम हेल्थ कियोस्क (हैल्थ एटीएम) स्थापित किए हैं। यह हैल्थ एटीएम उत्तराखंड राज्य में तीर्थयात्रियों को उनकी चार धाम यात्रा के दौरान टेलीमेडिसिन सेवाएं प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप डिजिटल टच प्वाइंट एकीकृत मशीनें होंगी। यह क्लाउड सक्षम हेल्थ कियोस्क विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए गए हैं जहां तीर्थयात्री केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के चार हिमालयी तीर्थस्थलों की तीर्थ यात्रा के दौरान आमतौर पर विश्राम लेते हैं। इन स्वास्थ्य कियोस्क का मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों तथा जनता की यात्रा के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को आसान बनाना है।

हेल्थ क्योस्क एक टच स्क्रीन हार्डवेयर है जिसे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के प्रबंधन के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह लोगो को किसी भी इंटरनेट से जुड़े वेब ब्राउज़र के माध्यम से 24×7 अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य जानकारी तक पहुँचने की अनुमति देता है। यह मशीन पंद्रह मिनट के भीतर रोगी की ऊंचाई, वजन, शरीर का तापमान, रक्त ग्लूकोज, रक्तचाप, इनवेसिव और गैर-आक्रामक रक्त परीक्षण, हृदय जांच और ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर सहित 70 से अधिक मेडिकल टेस्ट की तुरंत रिपोर्ट दे सकता है। यह अपनी टेलीमेडिसिन परामर्श सुविधा के माध्यम से रोगियों को स्पेशलिस्ट और प्रमाणिक डॉक्टरों और अस्पतालों से सर्वोत्तम उपचार के लिए परामर्श देने में भी मदद कर सकता है। इन मशीनों का तीन घंटे तक का पावर बैकअप है। 50 स्वास्थ्य कियोस्क को आधार के रूप में हरिद्वार से "चार धाम मार्ग" पर तैनात किया गया है और फिर यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ मार्ग पर शाखाओं में बांटा गया है।इस अवसर पर सचिव स्वास्थ्य डा0 आर राजेश कुमार, अपर सचिव अमनदीप कौर, महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग डा0 विनीता शाह, एमडी एचपीई सोम सत्संगी, एचपीई सीएसआर सुशील भाटला तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में फार्मासिस्टों ने काला फीता बांधकर जताया विरोध

अल्मोड़ा। फार्मासिस्टों का पद नाम बदलने समेत लंबित मांगों के निराकरण को लेकर फार्मासिस्टों ने मोर्चा खोल दिया है। चरणबद्ध आंदोलन के तहत सोमवार को पहले दिन फार्मासिस्टों ने बांह पर काला फीता बांध आक्रोश जताया। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को तेज करने की भी चेतावनी दी। इस मौके पर फार्मासिस्टों ने कहा कि दो साल की सेवा पर मिलने वाले नॉन फंक्शनल वेतनमान को इंगनोर करते हुए एसीपी का लाभ देने, आईपीएचएस के मानकों में संशोधन कर फार्मासिस्टों के पदों को बढ़ाने, रिक्त पदों के सापेक्ष पदोन्नती करने, पोस्टमार्टम भत्ता बढ़ाने, वीआईपी चार धाम ड्यूटी में लगे पदों को क्रियाशील करने, गोल्डन कार्ड की विसंगतियों को दूर करने की मांग कर रहे हैं। मांगों के निराकरण को लेकर विभिन्न माध्यमों से सरकार को चेताने का भी काम कर चुके हैं। लेकिन इसके बाद भी कर्मचारियों की मांगों पर गौर नहीं किया जा रहा है। इससे कार्मिकों के अंदर रोष बढ़ रहा है। फार्मासिस्टों ने एक स्वर में जल्द से जल्द समस्याओं पर सकारात्मक कार्यवाही की मांग की है। यहां मनोज पांडे, श्याम लाल, जेएस देवड़ी, जेएस मनराल, वीडी साह, पवन जोशी, चंपा, श्वेता सैनी, डीएन जोशी, आर भोज समेत जिला, महिला, बेस और सीएमओ कार्यालय में तैनात फार्मासिस्टों ने बाह में काला फीता बांध विरोध जताया।

30अप्रैल को पूर्व सैनिक सांसद को सौंपेगे ज्ञापन

अल्मोड़ा। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से बैठक की गई। इसमें पूर्व सैनिकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। तय किया गया कि ओआरओपीएस-2 की विसंगतियों को दूर करने की मांग को अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ संसदीय क्षेत्र के सांसद अजय टम्टा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। परिषद कार्यालय धारानौला में सोमवार को आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पूर्व सैनिक लंबे समय से ओआरओपीएस-2 की विसंगतियों को दूर करने की मांग कर रहे हैं। पूर्व में समस्याओं के निराकरण को धरना-प्रदर्शन और जुलूस के माध्यम से विरोध जता चुके हैं। सरकार उनकी मांगों को लगातार अनदेखा कर रहीं है। इससे पूर्व सैनिकों में भारी रोष व्याप्त है। बैठक में तय किया गया कि 30 अप्रैल को पूर्व सैनिक सांसद को मांगों के निराकरण को ज्ञापन सौपेंगे। यहां बैठक में परिषद के अध्यक्ष सेवानिवृत्त सुबेदार आनंद सिंह बोरा, पीजी गोस्वामी, केशव दत्त पांडे, विनोद गिरी, सुरेंद्र टम्टा, प्रकाश बोरा, त्रिलोक सिंह, रघुवीर सिंह सांगा, दान सिंह, हरीश सिंह, शेर सिंह, हुकम सिंह आदि मौजूद रहे।

तबादला एक्ट : 10 जून तक होंगे सभी विभागों में कर्मचारियों और अधिकारियों के तबादले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश में तबादला एक्ट के तहत 10 जून तक सभी विभागों में पत्र कर्मचारियों, अधिकारियों के तबादले किए जाएंगे। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। विभाग ने आदेश जारी करते हुए कहा कि तय समय सारिणी के अनुसार तबादले की कार्रवाई की जाए। तबादला एक्ट के तहत सामान्य तबादलों के लिए समय सारिणी के मुताबिक लोक सेवकों के तबादले आदेश जारी करने की अंतिम तिथि 10 जून है। इससे पहले 25 मई से 5 जून तब तबादला समिति की बैठक के साथ ही तबादलों को लेकर सक्षम प्राधिकारी की सिफारिश हो जानी चाहिए।

साथ ही जारी आदेश में कहा गया कि तबादलों के लिए प्राप्त विकल्पों और आवेदन पत्रों का विवरण विभाग की वेबसाइट पर 20 मई तक प्रदर्शित हो जानी चाहिए। वही 30 अप्रैल तक अनुरोध के आधार पर तबादलों के लिए आवेदन मांग लिए जाने चाहिए। आपको बता दे हर साल सामान्य तबादलों के लिए तबादला एक्ट 2017 की धारा 23 के तहत समय सारिणी तय की गई है। समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव मंडलायुक्त गढ़वाल व कुमाऊं एवं समस्त विभागाध्यक्ष तबादलों के लिए तय समय सारिणी के अनुसार तबादले की कार्रवाई करें। इसके अलावा शिक्षा विभाग की ओर से भी इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।

प्रारंभिक शिक्षा निदेशक वंदना की ओर अपर निदेशक बेसिक और माध्यमिक शिक्षा, अपर निदेशक एससीईआरटी, प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं मुख्य शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि तय कार्यक्रम के अनुसार तबादले की कार्रवाई की जाए। अपर सचिव कार्मिक ललित मोहन रयाल का कहना है कि तबादला एक्ट के तहत सामान्य तबादलों के लिए जो समय सारिणी है, उसी के मुताबिक तबादले की कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। समय सारिणी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। साथ ही आपको बता दें विधवा और विधुर कर्मचारियों को अनिवार्य तबादलों में छूट को लेकर उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रियल सर्विसेज एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से विचार करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रांतीय महामंत्री मुकेश बहुगुणा ने मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मुकेश बहुगुणा ने जानकारी देते हुए कहा कि मिनिसट्रियल संवर्ग में कनिष्ठ सहायक सीधी भर्ती के पदों पर 1 वर्षीय कंप्यूटर डिप्लोमा को अनिवार्य किया जाए। जबकि समूह ग के कर्मियों को उसके गृह तहसील और समूह ख के कर्मियों को गृह जिले में नियुक्त किया जाए। कर्मचारियों की कार्यकुशलता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए कम से कम एक महीने का प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए। बहुगुणा ने कहा मृतक आश्रित कर्मचारियों की नियुक्ति दुर्गम और अति दुर्गम क्षेत्र में न की जाए।

इन कर्मचारियों की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर होती है। दुर्गम क्षेत्र में नियुक्ति की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए। एसोसिएशन ने विभाग में कार्य के दबाव के चलते अतिरिक्त पद सृजित करने और नायब तहसीलदार, पूर्ति निरीक्षक, बीडीओ आदि पदों पर पदोन्नति के लिए 50 प्रतिशत कोटा तय करने की मांग की।

न्याय पंचायतों में जाकर किसानों को जागरूक करेंगे : युगल किशोर पंत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 25 अप्रैल ''कृषक महोत्सव खरीफ-2023'' का जिलाधिकारी युगल किशोर पंत व किसानों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने तीन किसान रथों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया, जो 24 अप्रैल से 03 मई तक जनपद के सभी न्याय पंचायतों में जाकर किसानों को कृषि से सम्बन्धित विभन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायेगी। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगायें गये स्टालों को निरीक्षण किया एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उत्पादित स्थानीय उत्पाद भी खरीदे। उन्होने कहा कि हमारा जनपद कृषि प्रधान जनपद है और यहां के कृषक में विभिन्न फसलों का अच्छा उत्पाद भी करते है।

उन्होने कहा कि किसानों की जानकारी के उद्देश्य से कृषक गोष्टी का भी आयोजन किया गया है व विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल भी लगाये गये है। उन्होने कहा कि जनपद में सीमित भूमि में अच्छी तकनीक, उन्नतशील बीजों का प्रयोग करकें कम लागत में अधिक पैदावार हो और सकल आय में बढ़ोतरी हो इस ओर सरकार विभिन्न विभागों के माध्यम से इस योजना को आगे बढ़ा रही है। उन्होने कहा कि जो किसान आज यहां आये है वे यहा पर लगाये गये स्टालों से नई-नई तकनीकि जानकारी व नई कृषि यंत्रों की जानकारी अवश्य लें। उन्होने कहा कि गोष्टी में कृषि, पशु पालन, उद्यान व कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा किसानों को नई-नई तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी है जिससे कृषक नई तकनीक का प्रयोग कर अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते है। गोष्टि में मोटे अनाज का उत्पादन करने व स्वास्थ्य के लिये उसके फायदों के बारे में भी विशेषज्ञों द्वारा बताया गया है। किसानों ने भी फसलों में लगने वाली विभिन्न बीमारियों से बचाव व उत्पादन बढ़ाने आदि की जानकारी विशेषज्ञों एवं विभागों से प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, पीडी हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी तारा ह्यांकी, किसान, अरूण कुमार शर्मा, ठा0 जगदीश सिंह, अनिल दीप महल, सुरेश सिंह राणा, किशन सिंह, जीत सिंह, धर्म सिंह, राकेश, रामचरन सिंह, सतनाम सिंह, दीपा देवी भगवान सिंह, राम भरोसे, गुरविन्दर सिंह, कुलदीप सिंह, सुनीता देवी, सत्यवती, राजवती, कमला देवी, मुख्य कृषि अधिकारी एके वर्मा, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी व कृषक उपस्थित थे।

संपादकीय

अमेरिकी वीजा में आसानी

अमेरिका में पढ़ने या काम करने जाने के लिए वीजा मिलने में होने वाली मुश्किलों के आसान होने के आसार हैं. अमेरिकी दूतावास इस साल 10 लाख से अधिक भारतीय छात्रों को वीजा दे सकता है. इसके अलावा, उच्च कौशल के कामकाजी लोगों को दिये जाने वाले एच-1बी और एल वीजा के लिए भारत के लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी. अमेरिका ये वीजा दूसरे देशों के उन पेशेवरों को देता है, जिनके पास सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता होती है. उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में भारतीय विदेश मंत्रालय ने लगातार इस मुद्दे को अमेरिकी सरकार के सामने उठाया है कि दोनों देशों के बीच हर मामले में नजदीकी बढ़ने के बावजूद अमेरिका की वीजा प्रणाली भारतीय आवेदनकर्ताओं को लेकर गंभीर नहीं है. बहुत से ऐसे मामले हैं, जहां भारतीयों को सारी औपचारिकताओं को पूरी करने के बाद भी वीजा मिलने में कई महीने लग जाते हैं. अक्सर यह अवधि साल भर से अधिक होती है. अमेरिकी नीतियों में तो पेंच रहा ही है, साथ में अमेरिका का यह कहना रहा है कि ऐसा संसाधनों के अभाव में होता है. इस पर भारत सरकार ने समुचित सहयोग करने का भरोसा भी दिया था. इसका एक परिणाम यह हुआ है कि हैदराबाद में अमेरिका ने नये भवन में अपना वाणिज्य दूतावास स्थापित किया है, जो अपेक्षाकृत बड़ा है और वहां अधिक आवेदनों का निपटारा हो सकता है. अमेरिका में पढ़ाई करने वाले विदेशों छात्रों में दूसरे स्थान पर भारतीय हैं. पहले स्थान पर चीन आ गया है. इसी तरह, भारत और चीन से सबसे अधिक उत्कृष्ट कौशल के लोग अमेरिका जाते हैं या कामकाजी वीजा के लिए आवेदन करते हैं. अमेरिका की तकनीकी कंपनियां इन कौशलयुक्त प्रतिभाओं पर ही निर्भर हैं. जानकारों की मानें, तो अमेरिकी वीजा प्रक्रिया में मुश्किलें इसलिए भी आती हैं, क्योंकि अमेरिका की घरेलू और विदेश नीति वीजा का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए भी करती है. आज की विश्व व्यवस्था में भारत की स्थिति निरंतर मजबूत हो रही है. भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और विकासशील देशों के नेतृत्व की कमान में हिस्सेदार है.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

यूपी की तर्ज पर लिया जाए मंडी शुल्क

काशीपुर। क्षेत्र के राइस मिलर्स ने यूपी की तर्ज पर मंडी शुल्क लेने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में सीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम राकेश तिवारी को सौंपा। सोमवार को राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यवान गर्ग ने कहा किसानों को राहत, प्रसंस्करण इकाइयों को मंडी शुल्क और विकास सेस छूट देने की घोषणा की है। ऐसे में अब प्रसंस्करण इकाइयां सीधे किसानों से उपज खरीद सकेंगी। इसके लिये उन्हें किसी प्रकार का मंडी शुल्क और विकास सेस नहीं देना होगा। वहीं, उत्तराखंड की सभी राइस व फ्लोर मिल और प्रसंस्करण इकाइयां कच्चे माल के लिए यूपी की मंडियों पर निर्भर हैं। ऐसी स्थिति में उत्तराखंड के उद्योग बंदी के कगार पर पहुंच चुके हैं। इस दौरान उन्होंने यूपी की तर्ज पर मंडी शुल्क लेने की मांग की। यहां कमल शर्मा, राकेश कुमार रहे।

फैक्ट्री से निकाले गए श्रमिकों का फूटा गुस्सा

रुद्रपुर। लोहियाहेड रोड स्थित एक निजी फैक्ट्री से निकाले गए श्रमिकों का सब्र जवाब दे गया। उन्होंने तहसील में धरना-प्रदर्शन कर फैक्ट्री प्रबंध के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने प्रबंधन पर बिना कारण बताए दो सौ कर्मचारियों को निकालने और कई माह से वेतन न देने का आरोप लगाया। सोमवार को तहसील पहुंचे श्रमिकों ने कहा जब से फैक्ट्री की स्थापना हुई है। तब से कई बार विभिन्न कारणों से फैक्ट्री बंद हुई है। बावजूद इसके उन्होंने एक होकर फैक्ट्री प्रबंधन का साथ दिया। लेकिन फैक्ट्री प्रबंधक लगातार कर्मचारियों का आर्थिक शोषण करता रहा। उन्होंने कहा कोई भी कर्मचारी फैक्ट्री प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं करता। ऐसे करने वालों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। कहा कि कुछ दिन पहले फैक्ट्री में कार्य करने वाले दो सौ कर्मचारियों को निकाल दिया गया। इतना ही नहीं कर्मचारियों का बोनस और वेतन का भुगतान भी नहीं किया गया। उन्होंने फैक्ट्री प्रबंधन से बकाया धनराशि का भुगतान करने की मांग की।

संक्षप्ति खबरें

नई पेंशन योजना की कर्मचारियों को दी जानकारी

पिथौरागढ़। राष्ट्रीय पेंशन योजना को लेकर कर्मचारियों को एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें एनपीएस बुक को अपडेट रखने के लिए कहा गया। कहा कि सभी कार्यों को ऑनलाइन किया जाए। सोमवार को जिला पंचायत सभागार में मुख्य कोषाधिकारी वीरेंद्र रावत की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें उपकोषागार,कोषागार कर्मियों के साथ सभी विभागों के आहरण-वितरण अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी गई। सभी को राष्ट्रीय पेंशन योजना से संबंधित कार्यों के बारे में बताया गया। इस दौरान कोषाधिकारी ने कहा कि एनपीएस की बुक को अपडेट रखें। उन्होंने सभी कार्यों को ऑनलाइन करने के आदेश दिए। इस दौरान राकेश चौहान,योगेंद्र यादव,विनोद राज सहित अन्य कर्मी शामिल रहे।

फार्मासिस्टों ने काला फीता बांधकर जताया विरोध

पिथौरागढ़। जनपद में विभिन्न मांगों को लेकर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू कर दिया है। सोमवार को जिले भर में कार्यरत फार्मासिस्टों ने बांह में काला फीताकर बांधकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध जताया। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से वे अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

तीसरे दिन भी जारी रहा निजी स्कूलों के खिलाफ धरना

पिथौरागढ़। नगर में निजी स्कूलों के खिलाफ विभिन्न संगठनों का धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। सोमवर को जाग उठा पहाड़ के संयोजक गोपू महर के नेतृत्व में लोग गांधी चौक में एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और धरने में बैठ गए। वक्ताओं ने कहा कि शुल्क के नाम पर निजी विद्यालय लोगों से धन वसूली कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक विद्यालय प्रबंधन अभिभावकों को री एडमिशन, मेटिरियल, मेंटिनेंस, फीस वापस नहीं करेंगे आंदोलन जारी रहेगा।

क्रिकेट में सट्टा लगाता एक गिरफ्तार

पिथौरागढ़। क्रिकेट में हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ/सट्टा चलाने वालों के विरुद्ध सतर्क दृष्टि रखते हुए कोतवाली धारचुला उ0नि0 प्रदीप कुमार के नेतृत्व में का0 हरिओम शर्मा,शंकरलाल पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान लाला राम पुत्र स्व0 राम भरोसे निवासी सरफराज खाँ, कोतवाली पिलीभीत उ0प्र0 हाल निवासी गब्र्याल खेड़ा धारचुला को् र ह्ठुद्ग मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान के पास क्रिकेट में सट्टा लगाते हुए गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 12450/- रूपये नगद तथा सट्टा पर्ची व मोबाइल बरामद किये गये। अभियुक्त के विरुद्ध कोतवाली धारचुला में धारा- 13 जुआ अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया । अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त से पूछताछ कर अन्य सटोरियों के बारे में जानकारी ली जा रही है । जनपद पुलिस द्वारा क्रिकेट में सट्टा लगाने वालों के विरुद्ध अभियान चलाते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कांग्रेस ने जिला योजना बोर्ड बैठक पर उठाए सवाल

पिथौरागढ़। कांग्रेस ने जिला योजना की बैठक को लेकर सवाल उठाए हैं। पूर्व दर्जाधारी मंत्री महेंद्र लुंठी ने कहा कि पिथौरागढ़ में पुरानी योजनाओं को पूर्ण करने के लिए जिला योजना में बजट का आवंटन होना चाहिए। भाजपा से जुडे ठेकेदारों को काम दिलाने के लिए जिला योजना में कार्य किए जा रहे हैं। खानापूर्ति करने के लिए जिला योजना चलाई जा रही है। हर घर नल-हर घर जल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने खजाने भर लिए है और लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। प्रभारी मंत्री पिथौरागढ़ के लिए एक बडी योजना तक नहीं ला पा रहे हैं।

सैन्गुइन वी केयर वेलफेयर सोसायटी ने मनाया राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

देश भर से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 22 सरपंचों, ब्लाक प्रमुख , जिला पंचायत अधक्ष एवं ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज के अधिकारीयों को किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 25 अप्रैल , पंचायती राज दिवस के अवसर पर, राष्ट्रीय स्तरीय एन.जी.ओ सैन्गुइन वी केयर वेलफेयर सोसायटी और उत्तराखंड हेरिटेज मीडिया द्वारा "आत्मनिर्भर भारत राष्ट्रीय ग्राम्य सशक्तिकरण पुरस्कार – 2023" का कार्यक्रम होटल पेसिफिक में आयोजित किया गया. कार्यक्रम के प्रथम चरण में ,स्वास्थ्य विभाग से डॉ अजय नागरकर, एवं महिला कल्याण विभाग से श्री मोहित चौधरी , सी.पी.ओ एवं श्रीमती अंजना गुप्ता डिप्टी सी.पी.ओ द्वारा सभी को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी , जिससे सभी का ज्ञानवर्धन हुआ. कार्यक्रम के दुसरे चरण में , बतौर मुख्य अतिथि रहे कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल जिन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और राष्ट्रीय स्तरीय एन.जी.ओ सैन्गुइन वी केयर वेलफेयर सोसायटी के सचिव डॉ.के.एस. नेगी ने उनका पुष्पगुच्छ , एवं स्मृतिचिन्ह देकर उनका स्वागत किया. कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए , संस्था की अध्यक्ष एवं उत्तराखंड हेरिटेज मीडिया की सम्पादिका डॉ. कंचन नेगी ने कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंचायती राज दिवस का ये दिन ग्रामीण भारत के नवनिर्माण के संकल्पों को दोहराने का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। ये दिन ग्राम पंचायतों के योगदान और उनके असाधारण कामों को देखने, समझने और उनकी सराहना करने का दिन होता है। हर साल भारत देश में 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाया जाता है और इसी क्रम में, हमारी संस्था द्वारा हर वर्ष, "आत्मनिर्भर भारत राष्ट्रीय ग्राम्य सशक्तिकरण पुरस्कार" का आयोजन किया जाता है, जिसमें जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट

कार्य करने वाले, ग्राम प्रधानों, ब्लाक प्रमुखों , जिला पंचायत अध्यक्षों एवं ग्राम्य विकास और पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को सम्मानित किया जाता है , और मुझे बेहद प्रसन्नता है कि इस बार देश भर से बाईस जनों को मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा आज सम्मानित किया जायेगा , जिसके उपरान्त मुख्य अतिथि द्वारा , निम्न अवार्डियों को प्रशस्ति पत्र , स्मृति चिन्ह एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया-

ये हुए सम्मानित -----

नारायण चन्द्र मजूमदार,खण्ड विकास अधिकारी – पश्चिम त्रिपुरा, - बेस्ट गवर्मेंट ऑफिसर इन डिपार्टमेंट ऑफ़ आर.डी. 2023 यार.अली खान, असिस्टेंट कमिश्नर डेवेलपमेंट जम्मू एंड कश्मीर- बेस्ट गवर्मेंट ऑफिसर इन डिपार्टमेंट ऑफ़ आर.डी. एंड पी.आर 2023एजाज़ अहमद खान, बेस्ट आई.ई.सी कन्सल्टेंट/ फिल्ममेकर- डिपार्टमेंट ऑफ़ आर.डी. एंड पी.आर-जम्मू एंड कश्मीर 2023 साफिया बेग, जिला पंचायत अध्यक्ष बारामुल्ला जम्मू एंड कश्मीर- द बेस्ट डी.डी.सी 2023 नानाजी वट्टल,सरपंच पंचायत हल्का अकिंगम बी जम्मू एंड कश्मीर – द बेस्ट चाइल्ड फ्रेंडली पंचायत 2023 जमुना सरकार बिस्वास, सरपंच काल्कालिया मोहनपुर, पश्चिम त्रिपुरा- द बेस्ट चाइल्ड फ्रेंडली पंचायत 2023 सुप्रिया साहा , सरपंच विद्यासागर पश्चिम त्रिपुरा- द बेस्ट पंचायत इन ओन सोर्स रेवेन्यू सुधीर गोटमरे, सरपंच खुर्सापुर , महाराष्ट्र- द बेस्ट सरपंच 2023एम.एस राणा , ब्लाक प्रमुख द्वारीखाल , पौड़ी गढ़वाल - द बेस्ट ओवरआल बेस्ट प्रमुखबीना राणा , ब्लाक प्रमुख कल्जीखाल , पौड़ी गढ़वाल- द बेस्ट प्रमुख इन इनोवाशेंस एंड बेस्ट प्रक्टिसेस 2023तबस्सुम इमरान , ग्राम प्रधान , केदारावाला देहरादून - द बेस्ट ओवरआल पंचायत 2023 धन सिंह , ग्राम प्रधान सेंण टिहरी गढ़वाल - द बेस्ट वाटर सफीशियंट विलेज 2023सारा सुहैल , ग्राम प्रधान जीवनगढ़ – द बेस्ट सरपंच 2023रमेश डोभाल ग्राम प्रधान मेद्रथ चकराता – क्लीन एंड ग्रीन विलेज 2023 कुमार, ग्राम प्रधान एटनबाघ – द बेस्ट सरपंच 2023सरोज बाला , ग्राम प्रधान न्यू खालसी उत्तरकाशी - द बेस्ट पावर्टी फ्री एंड इनहेंसड लाइवलीहुड पंचायतसीमा पाठक , ग्राम प्रधान जयपुर खीमा, हल्द्वानी जयपुर :- द बेस्ट सरपंच 2023 वाहिदा बेगम , ग्राम प्रधान माजरी देहरादून - द बेस्ट ओवरआल पंचायत 2023 सुमन जुयाला ग्राम प्रधान , नागल ज्वालापुर – द बेस्ट ओवरआल पंचायत 2023 संतोष देवी ग्राम प्रधान ,पृथ्वीपुर देहरादून – द बेस्ट हेल्दी पंचायत 2023 कोमल , ग्राम प्रधान भुड्डी सहसपुर- द बेस्ट पंचायत इन गुड गवर्नेंस 2023 रतन सिंह , ग्राम प्रधान रायगी चकराता देहरादून – सेल्फ सफीशिएन्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर

अपने सम्बोधन में , मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय स्तरीय एन.जी.ओ सैन्गुइन वी केयर वेलफेयर सोसायटी और उत्तराखंड हेरिटेज मीडिया द्वारा "आत्मनिर्भर भारत राष्ट्रीय ग्राम्य सशक्तिकरण पुरस्कार – 2023" के आयोजन के लिए संस्था को बधाई देते हुए कहा , " संस्था ग्राम्य सशक्तिकरण हेतु बेहतरीन कार्य कर रही है और इससे अन्य पंचायतें भी प्रेरित होकर , अच्छा कार्य करेंगी , जिस प्रकार से राष्ट्रीय स्तरीय एन.जी.ओ सैन्गुइन वी केयर वेलफेयर सोसायटी द्वारा थीमेटिक परिपेक्ष में पुरस्कार प्रदान किये गये हैं , इससे सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु ग्राम पंचायतों में प्रतिस्पर्धी माहौल बनेगा एवं सतत विकास लक्ष्य निर्धारित समय अंतराल पर प्राप्त होंगे. आज के समय में पर्यायवरण संरक्षण एवं स्वच्छता की ओर हम सभी को ध्यान देना है और मैं इस संस्था से अपेक्षा करता हूँ कि वे निकट भविष्य में "स्वच्छता" पर भी , उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों के लिए सम्मान समारोह आयोजित करें, जिससे पूरे भारत वर्ष में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण एवं सम्वर्धन की ओर भी प्रतिस्पर्धा बरकरार रहे." अपने आशीष वचनों के उपरान्त मुख्य अतिथि ने , राष्ट्रीय स्तरीय एन.जी.ओ सैन्गुइन वी केयर वेलफेयर सोसायटी और उत्तराखंड हेरिटेज मीडिया की पूरी टीम को ,ढेर सारी शुभकमनाएं दीं.

ऊर्जा निगम ने लगाया भद्रतुंगा में 63 केवी का ट्रांसफार्मर

बागेश्वर। कपकोट। तीर्थस्थल भद्रतुंगा में तीन मई से शुरू हो रहे कुर्मांचल लघु अद्रधकुम्भ की तैयारियों ने अब जोर पकड़ लिया हैद्य यूपीसीएल ने यहां 63 केवी के बिजली का ट्रांसफार्मर लगाकर आपूर्ति सुचारु कर दी है। आयोजनस्थल तक बिजली की लाइन बनाने समेत अन्य कार्य तेजी से चल रहै हैं। ब्लॉक प्रमुख समेत संचालन समिति से जुड़े लोगों का अनुष्ठान को दिव्य औऱ भव्य बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान जारी है। संत स्वामी रामानंद आश्रम को रंग रोगन कर चमकाया जा रहा है। दास ने बताया यूपीसीएल ने यहां 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली की आपूर्ति सुचारु कर दी हैद्य अनुष्ठानस्थल तक बिजली की लाइन खींचने का भी तेजी से चल रहा है। यज्ञशाला, प्रवचन मंडप औऱ अस्थायी शौचालयों का निर्माण तेजी से चल रहा है। महामंडलेश्वर अभिराम दास ने कार्यकर्ताओं से सभी कार्य समय पर पूरा करने को कहा। ग्राम प्रधान जगत टाकुली, नरेंद्र टाकुली औऱ बीडीसी सदस्य चरण टाकुली थे। उधर राम महायज्ञ को सफल बनाने के लिए ब्लॉक प्रमुख गोविंद दानू ने न्याय पंचायत सिमगड़ी क्षेत्र के सिमगड़ी, सनगाड़, बास्ती, जाखनी, मजगांव, महरूड़ी, लमजिंगड़ा समेत कुल 15 गावों में जाकर ग्रामीणों से व्यापक संपर्क किया। बैठक में प्रमुख ने अद्रधकुम्भ को दिव्य औऱ भव्य बनाने के लिए बीडीसी सदस्य भगवत प्रसाद, प्रतिनिधि राकेश जोशी, ग्राम प्रधान होशियार सिंह को अलग गांवों की जिम्मेदारी सौंपी। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुंदर मेहरा, बीडीसी सदस्य अर्जुन भट्ट, ग्राम प्रधान खुशहाल सिंह, ललिता प्रसाद, राजेंद्र सिंह, ईश्वर सिंह, सुंदर राठौर, उत्तम सिंह, धीरज सिंह मौजूद रहे।

छात्रसंघ अध्यक्ष चुनें जाने पर सतपुली में निकाली स्वागत रैली

पौड़ी। एसजीआरआर पीजी कॉलेज देहरादून में निर्वाचित हुए छात्रसंघ के अध्यक्ष पार्थ जुयाल व छात्र परिषद के अध्यक्ष प्रिंस भट्ट का सतपुली में जोरदार स्वागत हुआ। सोमवार को अपने गृह क्षेत्र सतपुली पहुंचने पर नगरवासियों ने नगर के मुख्य द्वार पर फूलमालाओं और ढोल नगाड़ों के साथ रैली निकालकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान नगरवासियों ने पार्थ जुयाल को छात्रसंघ अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। इस मौके नगरवासियों की ओर से पौड़ी रोड स्थित एक होटल में स्वागत समारोह को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां नगरवासियों ने अपने विचार रखे। कहा कि छोटे से नगर से निकलकर देहरादून महानगर में ये मुकाम हासिल करना नयारघाटी सतपुली के लिए गर्व की बात है। इस मौके पर पार्थ जुयाल ने स्वागत समारोह के लिए सभी नगर वासियों का आभार व्यक्त किया। स्वागत समारोह में एबीवीपी प्रदेश सह मंत्री ऋषभ रावत, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गिरीश भट्ट, देहरादून महानगर सहमंत्री राहुल जुयाल, पार्थ जुयाल की मां इंदु जुयाल, पूर्व प्रधान जगदंबा डंगवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष जयदीप नेगी, कोषाध्यक्ष सुनील डंडरियाल, सत्यनारायण वेदी, रोहन नेगी, पंकज डोबरियाल, कुसुम खंतवाल साहित नगरवासी उपस्थित रहे।